HINDI

(*Three Hours*)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

---

*This paper comprises of two Sections; **Section A** and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section A.*

*Attempt any **four** questions from Section B, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :—

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :— [15]

(i) वर्तमान युग में मोबाइल फ़ोन जीवन की आवश्यकता बन गया है । इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए और बताइए कि मोबाइल फ़ोन जीवन में सुविधा के साथ-साथ मुसीबत किस प्रकार बन जाता है ?

(ii) अपने नगर में आयोजित किसी जादू के तमाशे का आँखों देखा वर्णन कीजिए ।

(iii) आपके जीवन का उद्देश्य क्या है ? आज से दस वर्ष बाद की कल्पना कीजिए । बताइए आप स्वयं को कहाँ, किस रूप में देखना चाहते हैं ।

(iv) एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :—

'जैसी करनी वैसी भरनी ।'

This Paper consists of 12 printed pages.

© *Copyright reserved.*

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए ।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :—

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिये :— [7]

(i) स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित एक भाषण प्रतियोगिता में, स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर आपने अपने विचार प्रस्तुत किए थे । विदेश में रहने वाले अपने मित्र को पत्र लिखकर इस कार्यक्रम की जानकारी दीजिए ।

(ii) आप किसी पत्रिका के नियमित ग्राहक बनना चाहते हैं । पत्रिका के प्रकाशक से पत्र लिखकर पूछिए कि पत्रिका का वार्षिक मूल्य क्या है और आपको वह पत्रिका क्यों पसन्द है ।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

जापान में समुद्रतट के समीप ही एक टीले पर एक परिवार बसता था । उसके खेत भी टीले पर ही थे । समुद्र के तट पर टीले से नीचे एक गाँव था । शीतकाल समाप्त हो गया था । वसंत ऋतु ने चारों ओर अपना उल्लास बिखेर दिया था । खेतों में फसलों की सुनहरी बालियाँ झूम रही थीं । ऐसे आनन्दपूर्ण समय में उस गाँव में प्रतिवर्ष के समान वसंत ऋतु के स्वागत के लिए एक मेले का आयोजन किया गया ।

आसपास की बस्तियों से स्त्री-पुरुष, बालक-युवा रंग-बिरंगे कपड़े पहन कर मेले में आए थे । एक विशाल जन-समुदाय एकत्रित हुआ था । लोग खाने-पीने, वस्तुएँ खरीदने, गाने-बजाने तथा आनन्द मनाने में मस्त थे । गाँवों में कतिपय वृद्ध-जन घर तथा खेतों की रखवाली के लिए बच गए थे ।

समुद्रतट के समीप के टीले पर जो परिवार रहता था; उसके सदस्यों में भी कुछ सज-धजकर नीचे मेले में चले गए थे । कुछ ऊपर बैठे-बैठे मेले का आनन्द ले रहे थे । उस परिवार का वृद्ध सदस्य हागामुची घर से बाहर बैठा अपने पौत्र को गोद में खिला रहा था, साथ ही मेले पर भी दृष्टि डाल लेता था ।

हागामुची अचानक चौंक गया । उसकी दृष्टि मेले से हटकर समुद्र पर पड़ी, पौत्र को गोद से उतारकर, उसे नीचे बैठाकर वह उठ खड़ा हुआ । समुद्र का जल अकस्मात अस्वाभाविक रूप से बहुत पीछे हट गया था । हागामुची के मन में प्रश्न उठा —'यह क्या हुआ ? समुद्र का जल इस प्रकार एक-साथ पीछे क्यों हटा ?'

समुद्र में पहले जहाँ जल था, वहीं रेत दिख रही थी । हागामुची को अपने बचपन की एक घटना का स्मरण हुआ और वह काँप गया । तब वह बहुत छोटा था, उस समय भी समुद्र पीछे हटा था, रेत भी दिखाई पड़ी थी । उसके बाद ही आकाश छूती लहरें उमड़ पड़ी थीं । समुद्रतट से दूर तक के गाँव जलमग्न हो गए थे । हागामुची की दृष्टि दूर समुद्र पर ही टिकी थी । उसे लगा कि बहुत दूर जल में भारी उथल-पुथल मची है ।

हागामुची ने लोगों को पुकारना प्रारम्भ किया; किन्तु मेले के शोरगुल में उसकी पुकार कौन सुनता ? एक ही उपाय था, लोगों की प्राणरक्षा का, कि सब लोग अविलम्ब टीले पर चढ़ जाएँ; किन्तु यह कैसे हो ? हागामुची के मन में एक विचार आया । उसने चूल्हे से जलती लकड़ी निकाली और अपने खेतों में आग लगाने दौड़ पड़ा । खड़ी पकी फसल — वर्ष भर के निर्वाह का आधार; किन्तु मनुष्यों के प्राणों का मूल्य कहीं अधिक था ।

हागामुची ने क्षितिज को छूती समुद्र की लहरें देखीं । उसे लगा कि खेतों के जलने पर मेले के राग-रंग में डूबे लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं; तभी हागामुची ने बिना क्षण भर गँवाए अपने घर में आग लगा दी, घर धू-धू करके जलने लगा ।

'यह क्या ? क्या करते हैं आप ?' घर के जो सदस्य टीले पर थे, चिल्लाते हुए घर से बाहर भागे । उन्हें लगा कि बूढ़ा पागल हो गया है; किन्तु लोग रोकें, इससे पूर्व ही घर से ऊँची लपटें उठने लगी थीं । मेले में सुरक्षा के लिए आए दमकलों के घंटे घनघनाने लगे । भीड़ ने लपटें देखी, लोग टीले पर दौड़े । दूकान, सामान सब छोड़कर लोग हागामुची के घर की अग्नि बुझाने टीले पर चढ़े । इतने में तो जैसे प्रलयकाल आ गया । समुद्र एक साथ उमड़ पड़ा । आसपास मीलों तक लहरें हाहाकार करती दौड़ पड़ीं । टीले पर मेले के प्रायः सभी मनुष्य पहुँच चुके थे, उनका जीवन सुरक्षित हो गया था । अपने सर्वस्व की आहुति देकर हागामुची ने उन्हें बचा लिया था । हागामुची की मूर्ति बनाकर बाद में लोगों ने मन्दिर में रखी ।

(i) मेला कहाँ और क्यों आयोजित किया जाता था ? [2]

(ii) मेले में कौन आए थे ? वे किस प्रकार आनन्द मना रहे थे ? [2]

(iii) हागामुची को बचपन की किस घटना का स्मरण हुआ और क्यों ? [2]

(iv) लोगों की प्राण-रक्षा के लिए हागामुची ने क्या उपाय किए ? [2]

(v) लोगों ने हागामुची की मूर्ति बनाकर मन्दिर में क्यों रखी ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए :— [1]

अच्छाई, बुद्धि ।

(ii) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

इच्छा, रात ।

(iii) निम्न शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :— [1]

बूढ़ा, साधारण, मूक, समझदार ।

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

दोनों हाथों में लड्डू होना, कान भरना ।

(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]

घबराना, चिकित्सक ।

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार, वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :—

(a) उनका जीवन सुरक्षित था । [1]

(नहीं का प्रयोग कीजिए, किन्तु वाक्य का अर्थ न बदले)

(b) कृपया मुझे घर पहुँचाने की कृपा करें । [1]

(वाक्य शुद्ध कीजिए)

(c) इन फूलों का रंग कितना निराला है । [1]

(वचन बदलिए)

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

कथा मंजूषा

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी में** **लिखिए** :—

रमणी जैसे विकारग्रस्त स्वर में चिल्ला उठी "बाँध लो, मुझे बाँध लो ! मेरी हत्या करो । मैंने अपराध ही ऐसा किया है ।"

सेनापति हँस पड़े । बोले -- "पगली है ।"

"पगली नहीं, यदि वही होती तो इतनी विचार-वेदना क्यों होती ? सेनापति ! मुझे बाँध लो । राजा के पास ले चलो ।"

"क्या, स्पष्ट कह !"

-पुरस्कार-

लेखक—जयशंकर प्रसाद

(i) यह रमणी कौन है ? वह खुद को अपराधी क्यों समझ रही है ? [2]

(ii) युवती ने सेनापति को क्या सूचना दी तथा क्यों ? [2]

(iii) उस सूचना की सेनापति पर क्या प्रतिक्रिया हुई ? उन्होंने क्या किया ? [3]

(iv) युवती के उक्त कार्य से उसके चरित्र की कौनसी विशेषता का परिचय मिलता है ? तर्क द्वारा स्पष्ट कीजिए । [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

हीरो जी हँस पड़े— "तो यह गोवर्धन शास्त्री कहने वाले हुए और तुम लोग सुनने वाले, ठीक ही है । लेकिन हमसे सुनो, यह तो कह रहे हैं त्रेता की बात, अरे, तब तो अकेले बलि ने ऐसा कर दिया था;

लेकिन मैं कहता हूँ कलियुग की बात । कलियुग में तो एक आदमी की कही हुई बात उसकी सात-आठ पीढ़ी तक निभाती गई और यद्यपि वह पीढ़ी स्वयं नष्ट हो गई, लेकिन उसने अपना वचन नहीं तोड़ा ।''

-मुग़लों ने सल्तनत बख़्श दी-

लेखक—भगवतीचरण वर्मा

(i) उक्त वार्ता का स्थान क्या है ? वार्ता कहाँ से प्रारम्भ होकर बलि पर पहुँची थी ? [2]

(ii) बलि कौन था ? उसने क्या किया था ? [2]

(iii) युग कितने होते हैं ? उनके नाम लिखिए और बताइए कि इस पाठ में कलियुग के किस व्यक्ति की कहानी सुनाई गई है ? [3]

(iv) हीरो जी का चरित्र-चित्रण कीजिए । [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

बात बीच में काटकर गजाधर बाबू ने थके-हताश स्वर में कहा— "ठीक है । तुम यहीं रहो । मैंने तो ऐसे ही कहा था ।'' और गहरे मौन में डूब गए ।

नरेन्द्र ने बड़ी तत्परता से बिस्तर बाँधा और रिक्शा बुला लाया । गजाधर बाबू का टीन का बक्स और पतला-सा बिस्तर उसपर रख दिया गया । नाश्ते के लिए लड्डू और मठरी की डलिया हाथ में लिए गजाधर बाबू रिक्शे पर बैठ गए । एक दृष्टि उन्होंने अपने परिवार पर डाली और फिर दूसरी ओर देखने लगे । रिक्शा चल पड़ा ।

-वापसी-

लेखिका—उषा प्रियंवदा

(i) गजाधर बाबू ने किसकी कौन-सी बात काटी थी ? [2]

(ii) गजाधर बाबू कौन थे ? वे कहाँ जा रहे थे ? [2]

(iii) गजाधर बाबू की निराशा का क्या कारण था ? [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए और बताइए कि इस कहानी में वर्तमान युग के किस कटु सत्य का वर्णन किया गया है ? [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"देखा, महामन्त्री ! हमने कहा था न कि चन्द्रगुप्त की योजना अवश्य सफल होगी ।'' . . . एक आसन पर इत्मीनान से बैठने के बाद रामगुप्त ने शिखरस्वामी से कहा-"आज की यह विजय चन्द्रगुप्त के जीवन की महान् विजय है ।''

(i) यहाँ किस विजय की बात की जा रही है ? शकराज की किस शर्त की प्रतिक्रिया में चन्द्रगुप्त ने यह योजना बनाई थी ? [2]

(ii) इस विजय पर रामगुप्त के मनोभाव किस प्रकार के थे एवं क्यों ? [2]

(iii) इस विजय को किसने अधूरी बताया था और क्यों ? [3]

(iv) यह विजय किस प्रकार पायी गई थी ? [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

देवसेना के मुँह से ध्रुवस्वामिनी का यह संदेश सुनकर चन्द्रगुप्त के तन-मन पर छाई उदासी और भी गहरी हो उठी । वे आँखें मूँदकर पल-भर को अपने अतीत में खो गए ।

तभी देवसेना ने दबे हुए स्वर में कहा— "एक बात और भी है, कुमार ।''

"कहो, देवसेना, निर्भय होकर कहो । इस समय इस कक्ष में हम दोनों के सिवा और कोई नहीं है ।'' चन्द्रगुप्त ने उसके स्वर से उसका अभिप्राय ताड़कर कहा ।

(i) देवसेना ने चन्द्रगुप्त को ध्रुवस्वामिनी का संदेश देने से पहले क्या-क्या समाचार सुनाए ? [2]

(ii) देवसेना किस विषय में क्यों चिन्तित है ? चन्द्रगुप्त ने उसकी चिन्ता क्या कहकर दूर की ? [2]

(iii) इस समय चन्द्रगुप्त की मनो-दशा कैसी है और क्यों ? [3]

(iv) उक्त वार्तालाप कहाँ और किन परिस्थितियों में हो रहा है ? [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"वाह्लिकों की सेना काफी बड़ी दिखाई देती है ।"

वीरसेन ने वाह्लिकों की छावनी की ओर उँगली से इशारा करते हुए कहा— "वह देखिए, उस ओर दूर तक खेमे ही खेमे दिखाई दे रहे हैं । घोड़ों की संख्या भी कम नहीं है ।"

(i) वाह्लिकों की सेना ने कहाँ पड़ाव डाला हुआ था ? उनकी सेना की विशालता स्पष्ट कीजिए । [2]

(ii) इस युद्ध के विषय में श्रोता का क्या विचार था और क्यों ? [2]

(iii) वाह्लिकों की सेना का प्रधान सेनापति कौन था ? मगध सेना की शक्ति को आँकने में उसने क्या भूल की थी और क्यों ? [3]

(iv) प्रस्तुत प्रसंग को ध्यान में रखकर स्पष्ट कीजिए कि युद्ध जीतने के लिए शक्ति के साथ-साथ चतुराई की भी आवश्यकता होती है । [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मेरा प्रताप ? महारानी सीता ! जिसके पुत्र ने सुरेश्वर इन्द्र को जीतकर इन्द्रजीत का नाम और यश पाया है, उसके प्रताप के सम्बन्ध में आपको शंका है ? महादेवी, समझाओ सीता को कि मैं क्या हूँ ! त्रैलोक्य में मेरी शक्ति से लड़ने का साहस किसमें हो सकता है ? जिसके हृदय में दण्डी, मुण्डी और जटाधारी निवास करते हैं उस निर्गुणी . . . . "

-राजरानी सीता-

लेखक—डॉ० रामकुमार वर्मा

(i) वक्ता का संक्षिप्त परिचय दीजिए । [2]

(ii) वक्ता अपनी शक्ति व प्रताप का वर्णन सीता के सामने क्यों कर रहा है ? [2]

(iii) 'महादेवी' किसे संबोधित किया गया है ? वह वक्ता को क्या समझाती है ? क्यों ? [3]

(iv) वक्ता सीता का वध क्यों नहीं कर पाता ? [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"एक पखवारे से बराबर लड़ाई हो रही है— अतरौलिया, आज़मगढ़, मगहर—हर जगह कुँवरसिंह, हर जगह वह तूफ़ान, मगर गंगा मैया ने कैसी शक्ति उस बूढ़े कुँवरसिंह के बदन में फूँक दी है । बिंजली की जोत है कि पल में चकाचौंध चमक कर दे ! सावन की झड़ी है कि जो थकने का नाम ही न ले ।''

-विजय की वेला-

लेखक—जगदीशचन्द्र माथुर

(i) एक पखवारे से लड़ाई क्यों हो रही थी ? [2]

(ii) श्रोता कौन है ? उसने कुँवरसिंह की सहायता कैसे की ? [2]

(iii) राजा कुँवरसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए । [3]

(iv) इस नाटक के अन्त में क्या हुआ ? संक्षेप में लिखिए । [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"यह लो, बिना बात ही उस भले आदमी पर बरस पड़ी । भला उसे क्या पड़ी है, जो वह हमारी घरेलू बातों में पड़े ! मेरे न जाने से कौन किशन की बेटी की शादी रुक जाएगी ।''

-मेल-मिलाप-

लेखक—देवराज 'दिनेश'

(i) वक्ता कौन है ? उसने किस संदर्भ में उक्त वाक्य कहा था ? [2]

(ii) 'भला आदमी' किसे कहा गया है ? वह किस प्रकार का व्यक्ति था ? [2]

(iii) श्रोता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी के आधार पर सिद्ध कीजिए कि पारिवारिक तथा सामाजिक प्रगति के लिए आपसी सहयोग तथा मेल-मिलाप आवश्यक है । [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

जो कभी अपने समय को यों बिताते हैं नहीं ।
काम करने की जगह बातें बनाते हैं नहीं ।।
आज-कल करते हुए जो दिन गँवाते हैं नहीं ।
यत्न करने में कभी जो जी चुराते हैं नहीं ।।
बात है वह कौन जो होती नहीं उनके किए ।
वे नमूना आप बन जाते हैं औरों के लिए ।।

-कर्मवीर-

कवि—अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(i) 'आज-कल करना' का क्या अर्थ है ? ऐसा करने से क्या हानि होती है ? [2]

(ii) कर्मवीर व्यक्ति औरों के लिए नमूना कैसे बन जाता है ? वह समाज का क्या भला करता है ? [2]

(iii) प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि कर्मवीर व्यक्तियों में कौन-कौन से गुण होते हैं ? [3]

(iv) 'समय का महत्व और सफलता एक दूसरे पर आधारित हैं ।' कविता के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए । [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

'रवि से उज्ज्वल, शशि से सुन्दर, नव किसलयदल से कोमलतर ।
वधू तुम्हारी घर आएगी, उस विवाह-उत्सव के बाद ।'
पल भर मुख पर स्मित की रेखा खेल गई, फिर माँ ने देखा—
कर गंभीर मुखाकृति, शिशु ने फिर पूछा, 'माँ, उसके बाद ?'

-फिर क्या होगा उसके बाद ?-

कवि—बालकृष्ण राव

(i) शिशु ने माँ से क्या प्रश्न किया था ? माँ ने क्या उत्तर दिया ? [2]

(ii) बाद में माँ की किस बात से शिशु, चिन्तित हो उठा था ? क्यों ? [2]

(iii) शिशु के माध्यम से कवि ने किस सत्य से परिचित कराया है ? अनन्त प्रश्न क्या है ? [3]

(iv) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :-

किसलय, शशि, स्मित, मुखाकृति, रवि, नव । [3]

over

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

ऐसे पागल बादल बरसे नहीं धरा पर,
जल फुहार बौछारें धारें गिरतीं झर-झर !
उड़ते सोन-बलाक आर्द्र सुख से कर-क्रंदन,
घुमड़-घुमड़ घिर मेघ गगन में भरते गर्जन !

वर्षा के प्रिय स्वर उर में बुनते सम्मोहन,
प्रणयातुर शत कीट-विहग करते सुख-गायन !
मेघों का कोमल तम श्यामल तरुओं से छन !
मन में भू की अलस लालसा भरता गोपन !

-सावन-

कवि—सुमित्रानन्दन पन्त

(i) कवि ने वर्षाकाल में मेघों के रूप का वर्णन किस प्रकार किया है ? [2]

(ii) वर्षाऋतु का जीव-जन्तुओं पर क्या प्रभाव पड़ता है ? [2]

(iii) 'मेघों का कोमल . . . . भरता गोपन' पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए । [3]

(iv) कविता के अन्त में कवि ने क्या कामना की है ? [3]